वार्तालाप-552, बंगलौर (कर्नाटक), दिनांक 18.04.08

Disc.CD No.552, dated 18.4.08 at Bangalore (Karnatak)

समयः 00.01-03.15

जिज्ञासुः बाबा, राज करेगा खालसा वो कबसे है?

बाबाः राज करेगा खालसा। खालसा माने वह जो सिक्खों में ऐसे सन्यासी होते हैं जो तलवार लेकरके चलते हैं, काले कपड़े पहनते हैं और पवित्र रहते हैं और मुसलमानों से और क्रिश्चियन्स से टक्कर लेते हैं। माना रहना कीचड़ में और कीचड़ में रहते हुए कमल फूल के समान बिल्कुल निर्लिप्त होकरके रहना। बुद्धि उपराम बनी रहे। उन खालसाओं में बेहद का मुख्य पार्ट संगमयुग में किसका है? जगदम्बा का। इसलिए बोला है – राज करेगा खालसा। और ये सिक्खों में ही गायन है। तो जरूर कोई सिक्ख धर्म से कनेक्टे आत्मा है जिसके लिए अव्यक्त वाणी में बोला है – तेरासी में, कि पंजाब कन्यादान में सबसे आगे निकल गया। ऐसे नहीं कि उससे पहले पंजाब से कन्याओं का दान हुआ ही नहीं था ईश्वरीय ज्ञान में। चन्द्रमणि दादी वगैरा तो कितनी पुरानी निकली हुई है। लेकिन उस समय ही क्यों बोला गया कि पंजाब कन्यादान में आगे निकल गया? क्योंकि एवांस पार्टी की बात थी। तो जो कन्या आगे निकल जाती है उसको देखकरके फिर ढ़ेर की ढ़ेर सरेन्डर होती हैं। जो पहले-पहले ओटे सो अर्जुन कहा जाता है। तो उसका प्रतिफल ये मिलता है कि दीदी, दादी, दादियों ने इतना, दादाओं ने इतनी पालना नहीं की होगी, इतने विराट रूप में जितनी वो जगदंबा अंत में पालना करेगी ब्राह्मणों की दुनिया की।

Time: 00.01-03.15

Student: Baba, from when will 'raaj *karega khaalsaa'* come true?

Baba: *Raaj karega khaalsaa. Khaalsaa* means: There are such *sanyasis* among the Sikhs who carry swords with them. They wear black clothes and lead a pure life and they clash with the Muslims and Christians. It means to live in sludge and even while living in sludge, to remain completely detached like the Lotus flower. The intellect should remain detached (*upraam*). Who plays the main part among those *Khaalsaa* in the Confluence Age in an unlimited sense? It is of Jagdamba. This is why it has been said: *Raaj karega khaalsaa*. And this is famous only among the Sikhs. So, certainly there is a soul connected to the Sikh religion for whom it has been said in an *Avyakta vani* in 1983 that Punjab went ahead of everyone in the donation of virgins (*kanyadaan*). It is not that virgins were not donated from Punjab in the Godly knowledge before that at all. Chandramani Dadi, etc. have emerged long time ago. But why was it said only at that time that Punjab went ahead in donating virgins? It is because it was about the Advance party. So, numerous virgins surrender on seeing the virgin who goes ahead. The one who takes the initiative is called Arjun (*Jo ote so Arjun*). So, its fruit is that the Didi, Dadi, Dadas might not have given sustenance to such a great extent as Jagdamba will sustain the Brahmins world in the end.

जिज्ञासुः वो कभी होएगी?

बाबाः कभी होएगी? जब अंत होगा तब होएगी। अभी आदि कहें कि मध्य कहें कि अंत कहें?

जिज्ञासुः अंत।

बाबाः अभी अंत है? अति का अंत होता है या बीच में अंत हो जाता है? अति का अंत होता है। अभी अति हो गई? अभी अति नहीं हुई है।

Student: When will that happen?
Baba: When will that happen? It will happen when the end comes. Will it be said to be the beginning, the middle or the end now?
Student: The end.
Baba: Is it the end now? Does end come when it reaches the extreme level or does the end happen in between? The extremity comes to an end. Has it reached the extreme level now? It is not extreme (*ati*) now.

समयः 03.17-04.05

जिज्ञासुः बाबा, □बल विदेशी ही □बल पुरुषार्थी हैं ऐसे बोलते हैं ना? □बल पुरुषार्थी माना?

बाबाः □बल विदेशी माना लौकिक परिवार से भी निकाले गये और फिर बेसिक ब्राह्मण परिवार से भी धक्का खा गए। देश निकाला मिल गया।

जिज्ञासुः □बल पुरुषार्थी माना?

बाबाः □बल पुरुषार्थी इसलिए कि वो ए□वान्स के हुए। बेसिक में भी उन्होंने पुरुषार्थ किया हुआ है और क्रास करके आगे निकल गये। उनका क्लास ट्रांर हो गया और यहाँ भी उनका क्लास ट्रांसफर होना है। यहाँ से ट्रांसफर होगा तो नई दुनिया में जावेंगे।

Time: 03.17-04.05
Student: Baba, double foreigners (double *videshis*) are double purusharthis (those who make spiritual effort). It is said so, isn't it? What is meant by double *purusharthi*?
Baba: 'Double foreigners' means those who have been banished from the *lokik* family also and then have been pushed out by the basic Brahmin family as well. They were banished.
Student: What is meant by double *purusharthi*?
Baba: They are double *purusharthi* because they belong to the Advance (party). They have made purusharth in the basic (knowledge) as well. And they crossed them and went ahead. Their class was transferred. And their class is to be transferred from here as well. When they are transferred from here, they will go to the new world.

समयः 04.10-06.04

जिज्ञासुः बाबा, कृष्ण बच्चा को पीपल के पत्ते पर दिखाते हैं ना? वो तो प्रवेशता के जन्म की यादगार है।

बाबाः गर्भ में प्रवेश हुआ, गर्भ में महल दिखाते हैं पीपल के पत्ते पर।

जिज्ञासुः उस समय वो किसमें प्रवेश करता है?

बाबाः पीपल का पत्ता कौन है जो जोर से हिलता है, □लता है?

जिज्ञासुः जगदम्बा।

बाबाः जगदम्बा माता के लिए कहा गया है पीपल का पत्ता।

जिज्ञासुः लेकिन पिताजी में कब प्रवेश करता है?

बाबाः वो कृष्ण की सोल जब मस्तक में चन्द्रमा दिखाया जाता है तब ही प्रवेश कर लेता है।

Time: 04.10-06.04
Student: Baba, child Krishna is shown on a *Pipal* leaf[1], isn't he? That is a memorial of the birth in the form of the entrance (into a body).
Baba: He entered in the womb; a palace is shown in the womb on the *Pipal* leaf.
Student: In whom does he enter at that time?
Baba: Who is the *Pipal* leaf, which shakes and quakes a lot?
Student: Jagdamba.
Baba: It has been said for the mother Jagdamba that she is the *Pipal* leaf.
Student: But when does he (i.e. the child Krishna's soul) enter the father?
Baba: That soul of Krishna enters at the time when the Moon is shown on the forehead.

जिज्ञासुः समय, काल, पीरिय□?

बाबाः ७६ में शंकर का पार्ट दिखाया जाता है। बाप की प्रत्यक्षता। लेकिन वो अधूरा चन्द्रमा है। और वो ही अधूरा चन्द्रमा प्रैक्टिकल में भी चाहिए। तो प्रैक्टिकल में पार्ट बजाने वाली है जगदम्बा। तुम्हारी बात, तुम्हारी बात, तुम्हारा काम सर माथे पर।

जिज्ञासुः बाबा उसको मनन चिंतन करते हुए दिखाते हैं ना? अंगूठा चूसता है।

बाबाः किसको?

जिज्ञासुः कृष्ण बच्चा को।

बाबाः अंगुष्ठा माना आत्मिक स्थिति का अंगूठा। आत्मिक स्थिति का अंगूठा चूसना अर्थात् पढ़ाई पढ़ रही है कृष्ण की सोल उस गर्भ महल में प्रवेश करके।

Student: What is the time, the period (when it enters the father)?
Baba: Shankar's part is shown in 76. The Father's revelation. But he is the incomplete Moon [then]. And the same incomplete Moon is required in *practical* as well. So the one, who plays a part in practical is Jagdamba. Whatever you say, whatever you do is acceptable for me.
Student: Baba, he is shown to be thinking and churning; he sucks his thumb.
Baba: Who?
Student: The child Krishna.
Baba: *Angushtha* means the thumb of soul consciousness. Sucking the thumb of soul consciousness means that the soul of Krishna is studying the knowledge by entering the palace like womb.

समयः 06. 06-08.06

जिज्ञासुः बाबा, कर्मातीत और अतीन्द्रिय सुख में अंतर क्या है?

बाबाः कर्मातीत हुए बगैर अतीन्द्रिय सुख नहीं मिल सकता। इन्द्रियों का सुख लेने की जब तक भड़ास है तब तक कर्मातीत अवस्था कैसे कही जाए? कर्मेन्द्रियों से कर्म भी होते रहें लेकिन मन-

[1] The leaf of the holy fig tree

बुद्धि उपराम बनी रहे। वो है कर्मातीत अवस्था। उन कर्मों का कोई असर नहीं होगा क्योंकि कर्म की, अकर्म की गति तब ही बनती है जब मन उनमें लिप्त होता है। ग्यारहवीं इन्द्रिय जो कही जाती है – मन – वो अगर इन्द्रियों के भोगों में लिप्त नहीं होता है तो प्राप्ति नहीं हो सकती।

Time: 06.06-08.06
Student: Baba, what is the difference between *karmaateet* stage[2] and super sensual joy (*ateendriy sukhh*)?
Baba: We cannot get super sensual joy without becoming *karmaateet*. As long as there is a desire to experience the pleasures of the organs, how can it be called *karmaateet* stage? We should continue to perform actions through the bodily organs, but the mind and intellect should remain detached. That is the karmaateet stage. There will be no effect of those actions because the *karma* (actions), akarma (neutral actions) and *vikarm* (opposite actions) are calculated only when the mind is involved in them. If the mind, which is called the eleventh organ, is not involved in pleasures of the organs, then there cannot be any attainment (*praapti*).

जिज्ञासुः और अतीन्द्रिय सुख?
बाबाः वो ही। इन्द्रियों से परे का सुख। मन दूसरी और लगा हुआ है। इन्द्रियाँ अपना कार्य कर रही हैं। तो सुख भासेगा?
जिज्ञासुः नहीं भासेगा।
बाबाः सुख नहीं भासेगा।
जिज्ञासुः वो अतीन्द्रिय सुख...
बाबाः नहीं। वो अतीन्द्रिय सुख वो ही भोग सकता है जो बाप की ऐसी याद में लवलीन हो जाए कि इन्द्रियों का सुख मिला, मिला, न मिला। देखते हुए न देखना, सुनते हुए न सुनना।

Student: And what about the super sensual joy?
Baba: The same. The happiness beyond the organs. The mind is busy somewhere else. The organs are performing their tasks. So, will we experience the pleasure?
Student: No.
Baba: We will not experience the pleasure.
Student: That super sensual joy….
Baba: No. The super sensual joy can be experienced only by the one who becomes immersed (*lavleen*) in such a remembrance of the Father that whether he gets or does not get the pleasure of bodily organs [it is one and the same] for him. Not seeing despite seeing; not hearing despite listening.

समयः 08.08-10.44
जिज्ञासुः बाबा, इन्द्र देव की बरसात से गोप गोपियों को बचाने के लिए कृष्ण ने अपनी छोटी सी उंगली से गोवर्धन पहाड़ को उठाया। यहाँ इन्द्र देव कौन है और ये बरसात क्या है?
बाबाः इन्द्र को तो देवता के रूप में ऐसा दिखाया है जो नाराज़ हो जाता है तो मूसलाधार बरसात बरसाता है। जब विनाश होगा ताबड़तोड़ एटमिक एनर्जी फटेगी तो पृथ्वी का चारों और

[2] Stage beyond the effect of actions

का वायुमण□ल बहुत गरम हो जाएगा। उस गर्मी में समन्दर का जल खौल उठेगा। चारों ओर भाप बनकरके बादल उड़ेंगे। समन्दर का ढ़ेर सारा पानी बादल बन जाएगा। कई दिनों तक मूसलाधार बरसात होगी। वो तो हुई स्थूल बात। लेकिन यहाँ ज्ञान की बात पहले होगी ड्रामा में, बेहद की बात पहले होगी, बेहद की बरसात होगी ज्ञान बरसात या हद की बरसात पहले होगी? (जिज्ञासु- बेहद की।) तो बेहद की जो ज्ञान बरसात होती है उसमें एक छोटी सी उंगली है जिसे कनिष्टिका उंगली कहा जाता है। वो कनिष्टिका उंगली ही वास्तव में पांच पां□वों में से एक पां□व है। वो उंगली कौन से धर्म की है?

Time: 08.08-10.44
Student: Baba, Krishna lifted the Mount Goverdhan on his little finger in order to save the *Gop-Gopis* (cow herds - herd girls) from the (torrential) rains caused by the deity Indra. Who is the deity Indra here and what is this rain?
Baba: Indra has been shown in the form of such a deity who causes torrential rains when he becomes angry. When destruction takes place in a quick succession, when atomic energy bursts, the atmosphere of Earth will become very hot from all sides. The water of the ocean will start boiling in that heat. Clouds of vapor will rise from everywhere. A large quantity of the ocean's water will turn into vapor. There will be torrential rains for many days. That is a something physical. But here, will the topic of knowledge take place first in the drama, will it be in an unlimited sense first, will there be a rain in an unlimited sense, the rain of knowledge or will rainfall take place in a limited sense first? (Student: The unlimited [rain].) So, the unlimited rain of knowledge that takes place; there is a little finger called *kanishthika*, that *kanishthika* itself is one of the five Pandavas in reality. That finger belongs to which religion?

जिज्ञासुः सिक्ख धर्म।
बाबाः सिक्ख धर्म की। सिक्ख धर्म के पां□व का नाम क्या है?
जिज्ञासुः सहदेव।
बाबाः सहदेव। जो सदैव देवताओं का साथी रहा है। तो उस उंगली पर; जो पांच उंगलियां है ना, पांच पां□व हैं। पांच पां□वों में सबसे छोटा पां□व, कमजोर, सबसे बाद की औलाद। उसके ऊपर सारा पहाड़ १६१०८ गउओं को धारण कर लिया जाता है। उनकी सुरक्षा हो जाती है। इसी को कहते हैं राज करेगा खालसा।

Student: The Sikh religion.
Baba: Of the Sikh religion. What is the name of the Pandava belonging to the Sikh religion?
Student: Sahadev.
Baba: Sahadev. The one who has always been the companion of the deities. So, on that finger; there are five fingers, aren't there? There are five Pandavas. [He is] the youngest Pandava among the five Pandavas, [he is] the weakest one, the last child. The entire mountain of the 16108 cows is held on him. They are protected. This itself is called *'raaj karega khaalsa'* (the pure one will rule).

समयः 10.50-15.50

जिज्ञासुः एक सी.डी. में बाबा ने क्लेरिफिकेशन दिया है – जब ज्ञान में चलने वाली आत्मा सारा प्रापर्टी को बेच करके अपनी हाथ में रखने के टाइम में वो लौकिक के लोग कैसे एक्ट करेंगे माना वो ज्ञान में चलने वाली आत्माओं को एकदम नफरत करेंगे। उसी टाइम में बाबा बोलते हैं उनको भी स्वर्ग में भेजना है। क्यों? उतना नफरत करने वाले आत्माओं को स्वर्ग में भेजना माना एकदम गलत है ना?

Time: 10.50-15.50
Student: Baba has given clarification in one of the CDs: When a soul following the knowledge sells its entire property and keeps it in his hands, how the *lokik* people will act i.e., they will start hating the souls which follow the knowledge completely. At the same time Baba says: Even such souls (i.e. members of the *lokik* family) have to be sent to heaven. Why? It is completely wrong to send such souls to heaven who hate us so much, isn't it?

बाबाः इन्होंने जो कुछ बोला इसका अर्थ ये समझा जो बाबा ने बोला हुआ है कि तुम्हारा पूरा का पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। पूरे परिवार में ऐसे भी लोग हैं जो ज्ञान का बहुत विरोध करते हैं। इतना विरोध करते हैं कि जीतेजी प्रापर्टी का कोई भी हिस्सा ज्ञान में चलने वाले भांति को नहीं देना चाहते। लेकिन जो बेसिक वाले भांति हैं ज्ञान में चलने वाले वो भी तो ब्राह्मण परिवार के भांति ही हैं ना? उनके लिए नहीं बोला कि वो पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। लेकिन एडवांस में जो ज्ञान में चल रहे हैं उनका पूरा परिवार ज्ञान में चलेगा। क्यों? क्योंकि बेसिक में जो ज्ञान में चल रहे हैं ब्राह्मण परिवार के भांति उन्होंने हमको धक्का देकरके बाहर कर दिया। कर दिया या नहीं कर दिया? सेन्ट परसेन्ट सबको बाहर कर दिया। लेकिन जो लौकिक परिवार के भांति हैं वो कितनी भी नफरत करते हों ज्ञान से लेकिन घर में से धक्का देकरके बाहर कर दिया क्या?

Baba: From whatever he said I could understand this: That Baba has said: Your entire family will follow the knowledge. In that entire family there are also such people who oppose the knowledge a lot. They oppose it so much that they do not want to give any share of the property in their lifetime to the relative who follows the knowledge. But the people from the basic knowledge who follow the knowledge are also the members of the Brahmin family itself, aren't they? For them, it has not been said that their entire family will follow the knowledge. But the entire family of the ones who are following the advance knowledge will follow the knowledge. Why? It is because those who follow the basic knowledge, the members of the Brahmin family have pushed us out (of their centers); have they [pushed us out] or not? They have pushed everyone out *cent percent*. But however much the members of the *lokik* family may hate the knowledge, but did they push you out of their homes?

जिज्ञासुः लेकिन थोड़ा सा आत्माएं ऐसा भी किया है ना?
बाबाः वो अपनी गलती से।
जिज्ञासुः ऐसा नहीं बाबा।
बाबाः नहीं, ऐसा हो नहीं सकता। जो परिवार का प्यार है वो लौकिक भांतियों में अभी भी देखा जाता है। वो नहीं चाहते कि दर बदर हो जाए। और बेसिक वाले तो ये चाहते हैं दर बदर हो

जाए तो हो जाए। नष्ट हो जाए। तो अन्तर है कि नहीं दोनों में? ज्यादा अच्छे कौन हैं?
जिज्ञासुः लौकिक परिवार वाले।

Student: But some souls have acted like that also, haven't they?
Baba: That is due to their own mistake.
Student: It is not like this Baba.
Baba: No, it cannot happen like this. The family love can be seen in the *lokik* family members even now. They do not want you to be homeless. And those who follow the basic knowledge wish: may you become homeless, may you be destroyed. So, is there any difference between both of them or not? Who is better?
Student: The members of the *lokik* family.

बाबाः लौकिक परिवार वाले फिर भी अच्छे हैं जो ए□वांस के लौकिक परिवार के लोग हैं। इसलिए उनके दिल में इतनी जगह है कि परिवार से वो अलग नहीं करना चाहते। और उनके दिलों में इतनी जगह ही नहीं है कि अपने अंदर मिक्स करके रख सकें, समा के रख सकें। इसलिए बाबा ने बोला है कि तुम्हारा पूरा का पूरा परिवार एक दिन ज्ञान में चलेगा। हां, राजाई पद नहीं पावेंगे। लेकिन प्रजावर्ग में तो आ जायेंगे। बिना कुछ पुरुषार्थ किये स्वर्ग में चले जावें ये कोई कम बात है क्या? क्यों चले जावेंगे? क्योंकि ज्ञान रतन तो सुनते हैं ना कुछ न कुछ? वो तो सुनना ही नहीं चाहते। कौन?
जिज्ञासुः बेसिक वाले।
बाबाः हाँ, वो तो कान में उंगली दे देते हैं। एक शब्द भी कान में न जाने पाए। अरे ये ईश्वर के जो ज्ञान रतन हैं वो ही स्वर्ग में ले जाने वाले हैं। वो अगर कान में जावेंगे ही नहीं तो बुद्धि में समाने की तो बात ही नहीं। फिर स्वर्ग में कैसे जावेंगे?

Baba: The members of the *lokik* family…, the members of the *lokik* family of those who follow the advance knowledge are comparatively better. This is why they have at least this much space in their heart that they do not want to separate you from your family. And they (i.e. the BKs) do not have this much space in their heart (for you) at all so that they allow you to mix with them or to accommodate you. This is why Baba has said that one day your entire family will follow the knowledge. Yes, they will not achieve the post of kingship. But they will be included in the subject class. Is it any less achievement to go to heaven without making any *purusharth*? Why will they go (to heaven)? It is because they do listen to the gems of knowledge to some extent or the other, don't they? (But) they (i.e. the BKs) are not at all willing to listen to it. Who?
Student: Those who follow the basic knowledge.
Baba: Yes, they put fingers in their ears [so that] not even a single word (of the advance knowledge) enters their ears. Arey, these very gems of knowledge given by God are the ones which will take you to heaven. If they do not enter your ears at all then there is no question of their being absorbed by the intellect at all. Then how will they go to heaven?

समयः 16.00-17.22
जिज्ञासुः बाबा देवता धर्म का आधारमूर्त केवल अंतिम जन्म में दृष्टि मात्र से तामसी बन जाता है। ऐसा बाबा ने बताया है। ये कौन है और ये तामसीपन कब और कैसे आता है?

बाबाः देवता धर्म की आत्माएं अंतिम जन्म में दृष्टि मात्र से तामसी बन जाती है?

जिज्ञासुः आधारमूर्त।

बाबाः जो चंद्रवंश के आधारमूर्त हैं वो क्या कर्मेन्द्रियों से व्यभिचारी बन रहे हैं? फिर?

जिज्ञासुः दृष्टि मात्र से ।

बाबाः हाँ, उनकी बुद्धि में ये नहीं बैठा हुआ है कि भांति-भांति के मनुष्यों को दृष्टि देना ये गलत काम है। इसलिए दृष्टि से व्यभिचारी बन रहे हैं। जो लक्ष्मी का पार्टधारी है या लक्ष्मी के जो भी भांति हैं, संगी साथी हैं वो कर्मेन्द्रियों से व्यभिचारी बनने वाले होंगे या सिर्फ दृष्टि मात्र से व्यभिचारी बनने वाले होंगे? दृष्टि मात्र से व्यभिचारी बन रहे हैं क्योंकि उनकी बुद्धि में इतना ज्ञान नहीं बैठा हुआ है कि एक परमपिता परमात्मा की दृष्टि से ही सृष्टि सुधरती है। कोई मनुष्य गुरुओं की दृष्टि से सृष्टि नहीं सुधर सकती।

Time: 16.00-17.22
Student: Baba, Baba has said: The root soul (*aadhaarmoort*) of the Deity religion becomes degraded just through vision in the last birth. Who is that and how and when does this degradation begin?
Baba: The souls of the Deity religion become degraded only through vision in the last birth?
Student: The root souls.
Baba: Are the root souls of the Moon dynasty becoming adulterated through the organs? Then?
Student: Just through the vision.
Baba: Yes, it is not seated in their intellect that it is wrong to give *drishti* to different kinds of people. This is why they are becoming adulterated through vision. The actor playing the role of Lakshmi and all those who are like Lakshmi, the associates and companions of Lakshmi, are they the ones who become adulterated through the bodily organs or just through vision? They are becoming adulterated just through the vision because this knowledge is not seated in their intellect that the world reforms only through the vision of the one Supreme Father Supreme Soul. The world cannot reform through the vision of any human gurus.

समयः 17.25-19.35

जिज्ञासुः बाबा, प्रश्न है - अव्यक्त वाणी में वी.सी.पी ८७१ में ब्रह्मा बाबा ने बोला है अपना तन, मन, धन सब कुछ बाबा में समाया करो। यहाँ उसके अनुसार बाबा कौन होते हैं?

बाबाः अपना तन, मन, धन सब?

जिज्ञासुः सब बाबा में समाया करो।

बाबाः तन कैसे बाबा में समाएं? वो तो सब कोई जानते हैं कि तन की सेवा बाबा को दें, बाबा जैसे चलाना चाहे वैसे इस तन की शक्ति को चलाएं। ऐसे ही धन की शक्ति को जैसे बाबा चलाना चाहें वैसे चलाएं। मन को भी जिन संकल्पों में बाबा रमाना चाहे वो ही संकल्पों में मन रमण करे। दूसरे संकल्पों में रमण न करे। ये ही बाबा में समाना है।

Time: 17.25-19.35
Student: Baba, I have a question: In the *Avyakta vani* narrated in the VCD No.871 Brahma Baba has said: Merge everything of yours, body, mind and wealth in Baba. Here, who is Baba according to him (Brahma)?

Baba: Everything including body, mind and wealth?
Student: Merge everything in Baba.
Baba: Everyone knows how they should merge the body in Baba. We should give the body in Baba's service. We should use the power of our body in the way Baba wants us to use it. Similarly, we should use the power of wealth in the way Baba wants us to use it. Even the mind should remain busy only in the thoughts which Baba wants it to be busy in. It should not remain busy in any other thoughts. This itself is like merging [everything] in Baba.

जिज्ञासुः लेकिन उसके अनुसार बाबा कौन होता है बाबा?

बाबाः बाबा तो साकार-निराकार का मेल ही होता है।

जिज्ञासुः ऐसे नहीं। ब्रह्मा बाबा की दृष्टि में। ब्रह्मा बाबा ने अव्यक्त वाणी में ये बताया है, उसकी दृष्टि में बाबा कौन है?

बाबाः वो तो सूक्ष्म वतन के बाबा की बात करते हैं जो सूक्ष्म वतन की स्टेज में रहने वाला है। बापदादा कहाँ की बात करते हैं? सूक्ष्म वतन में बापदादा कैसे पार्ट बजाय रहे हैं, उसी की बात करते हैं।

Student: But who is Baba according to him Baba?
Baba: Baba is the combination of the corporeal one and the incorporeal one only.
Student: Not that. In the eyes of Brahma Baba. Brahma Baba said this in the *Avyakta vani*. So, who is Baba according to him?
Baba: He speaks about the Baba of the subtle world, the one who lives in the stage of the subtle world. Bapdada speaks about which place? He speaks only about how Bapdada is playing a part in the subtle world.

जिज्ञासुः उसको पता ही नहीं है ना अब तक कि बाप कौन है, बाबा कौन है?

बाबाः ब्रह्मा बाबा को पता नहीं है?

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा को।

बाबाः क्यों?

जिज्ञासुः अभी तक ज्ञान नहीं बैठा है ना?

बाबाः अरे क्यों नहीं ज्ञान में बैठा है जब वो आत्मा प्रवेश करती है, बीज रूप स्टेज धारण करती है तो ज्ञान में बैठता है।

बाबाः जब वो संग से रंग से अलग हो जाता है चंद्रवंशी परिवार में जाकरके मिल जाता है तो बुद्धि बदल जाती है। जैसे हम बच्चों की बुद्धि जब तक यहाँ साकार में बैठे हैं मधुबन में तो बुद्धि कुछ और है और बाहर की दुनिया में जाते हैं तो बुद्धि पलट जाती है। कृष्ण भी तो बच्चा है। जैसे और बच्चों को संग का रंग लगता है उसको भी संग का रंग लगता है।

Student: He is not at all aware who is the Father, who is Baba, is he?
Baba: Doesn't Brahma baba know this?
Student: Brahma Baba.
Baba: Why?
Student: He has not yet understood the knowledge, has he?

Baba: Arey, why didn't he understand the knowledge? When that soul enters (in the body of Ram's soul), when it attains a seed form stage it understands the knowledge.
Baba: When he goes away from the colour of the company, when he mixes up with the family of the Moon dynasty, his intellect changes. Just as the intellect of we children is different as long as we are sitting here in the corporeal form, in Madhuban and when we go to the outside world, the intellect changes. Krishna is also a child. Just as other children are coloured by the company, he is coloured by the company too.

समयः 19.40-20.55

जिज्ञासुः लौकिक में नया घर बनाते है। तो गृह प्रवेश करके बहुत बड़ा, धूम धाम से पूजा करते हैं।

बाबाः क्या करते हैं?

जिज्ञासुः गृह प्रवेश मनाते हैं ना? तभी गाय और गाय का बच्चा को पहले अंदर में ले जाते, इसका मतलब क्या?

Time: 19.40-20.55
Student: When people build a new house in the lokik world; they worship grandly during the house-warming ceremony (*grih-pravesh*).
Baba: What do they do?
Student: They celebrate the house-warming ceremony, don't they? At that time they take a cow and a calf inside the house first; what is its meaning?

बाबाः गाय हो गई प्रकृति का रूप। प्रकृति माता और उसका बच्चा हो गया कृष्ण बच्चा। बैल। बैल कौन है?

किसी ने कहाः ब्रह्मा बाबा।

बाबाः ब्रह्मा बाबा। वो बच्चा हो गया। वो माता गाय हो गई, जगदम्बा हो गई।

जिज्ञासुः मतलब क्या है? क्यों पहला उसको अंदर लेके जाते?

बाबाः अरे जब नई दुनिया बनेगी तो माया और प्रकृति होगी कि नहीं वहां? प्रकृति सतोप्रधान होगी या तमोप्रधान होगी? तो सतोप्रधान प्रकृति का रूप है गाय। गाय से ज्यादा सीधा प्राणी तो कोई और होता ही नहीं है।

Baba: Cow is a form of nature. Mother Nature. And her child is the child Krishna. The bull. Who is the bull?
Someone said: Brahma Baba.
Baba: Brahma Baba. He is the child. She is the mother, the cow, she is Jagdamba.
Student: What does it mean? Why is it (i.e. the cow) taken inside first?
Baba: Arey, when the new world is established, will there be *Maya* and *Prakriti* (nature) over there or not ? Will the nature be *satopradhan*[3] or *tamopradhan*[4] ? So, the form of the *satopradhan* nature is the cow. There is no other animal that is more innocent than cow at all.

[3] Consisting in the quality of goodness and purity
[4] Dominated by darkness or ignorance

26.20 समयः 21.01-22.57

जिज्ञासुः बाबा जब विनाश होगी तब ५०० करोड़ आत्माएं ३३ करोड़ देवताओं में प्रवेश कर गति व सद्गति को पावेंगे। इसका मतलब २३ करोड़ आत्माएं भी अंत तक रहेंगे और उस लास्ट समय में वो नष्ट हो जायेंगे?

बाबाः एटम बम्ब फटेंगे, बड़े-बड़े भूकम्प आवेंगे तो दुनिया की जो मल्टी स्टोरी बिल्डिंग्स हैं वो सारी गिरेंगी। तो असंख्य मौतें होंगी, अकाले मौत। वो एक साथ हो जावेंगी या कुछ टाइम लगेगा? टाइम लगेगा। तो जो-जो शरीर छोड़ते जावेंगे वो सूक्ष्म वतन में टिकते जावेंगे। तब तक सूक्ष्म वतन में टिकेंगे जब तक आखरी विनाश न हो जाए। सात दिन का जो चतुर्थ विश्व युद्ध होगा, एटम बमों का धुआं, घमासान युद्ध, जैसे दीपावली में पटाखे फटाते हैं या दशहरे पर बम्ब फोड़े जाते हैं रावण को जलाने के लिए तो पहले थोड़े-थोड़े फोड़ते रहते हैं-२ और लास्ट में? सारे एक साथ फोड़ देते हैं। धड़-9। ऐसे ही आखरी ७ दिनों में जो आखरी विनाश होगा उसमें सब आत्माएं अपना शरीर छोड़ कर-करके सूक्ष्म वतन में टिक जावेंगी। और लास्ट में जिन आत्माओं को जाना होगा बुद्धियोग से वो आत्माएं प्रजापिता और प्रजापिता के साथ वाली आत्माएं तीव्र दौड़ी दौड़ेंगी और सूक्ष्म वतन वालों को भी क्रास, पीछे-पीछे सब जावेंगे।

Time: 21.01-22.57

Student: Baba, when destruction takes place, the 500 *crore* (5 billion) souls will enter in the 330 million (33 *crore*) deities and achieve salvation (*gati*) and true salvation (*sadgati*). Does it mean that even the 230 million souls will survive till the end and in the last period they will perish?

Baba: When the atom bombs explode, when big earthquakes occur, all the multi storey buildings of the world will crash. So, innumerable deaths, untimely deaths will take place. Will that happen together or will it take time? It will take time. So, all those who will continue to leave their bodies, will go on becoming stable in the subtle world. They will stay in the subtle world until the last destruction takes place. The fourth world war which will take place for seven days, the smoke of the atom bombs…, the fierce war; just like when crackers are burnt on Dipawali or when bombs(crackers) are exploded on Dussehra to burn (the effigy of) Ravan, initially they burn crackers in small numbers and in the last? They burn all of them at a time. *Dhar*-9.Similarly, in the destruction that will take place in the last 7 days, all the souls will leave their bodies and become stable in the subtle world. And in the last, the souls which are supposed to leave through the intellect (*buddhiyog*), Prajapita and the souls accompanying Prajapita will gallop fast and will cross even those staying in the subtle world and all the others will follow them.

समयः 23.01-25.18

जिज्ञासुः बाबा, जगदम्बा तो है जगत की मां।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः जगतपिता है सारे जगत का पिता।

बाबाः हाँ,जी।

जिज्ञासुः अभी तो भारत माता कहा ना?।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः सिर्फ भारतवासियों की माँ।

बाबाः सिर्फ भारतवासियों की माँ। माने जो अव्यभिचारी दुनिया स्थापन करनेवाले हैं उनकी माँ। और जो व्यभिचारी भी बनते हैं वो सारे जगत में फैले हुए हैं। □ायवोर्स देने कि प्रथा जो चल रही है दूसरे -2 देशों में, वो सारे जगत की बात हो गई।

जिज्ञासुः भारत माता के साथ भारत पिता का नाम क्यों नही बोला?

बाबाः इसीलिये नही बोला क्योंकि भारत माता आगे है प्यूरिटी की बात में। जो जगत पिता है वो आगे नही है। माताएँ दो शास्त्रोंमें गिनाई गई है। एक जगत माता एक भारत माता। एक जगदम्बा और एक पार्वती। पार्वती से स्वर्ग स्थापना होता है और जगदम्बा से सारा जगत तैयार होता है।

Time: 23.01-25.18
Student: Baba, Jagdamba is the mother of the world.
Baba: Yes.
Student: Jagatpita is the father of the entire world.
Baba: Yes.
Student: Just now you mentioned *Bharat Mata* (Mother India), didn't you?
Baba: Yes.
Student: The mother of only the *Bharatwasis* (the residents of India).
Baba: Mother of only the *Bhaaratwasis*. It means [she is] the mother of those who establish an unadulterated (*avyabhichaari*) world. And those who also become adulterated (*vyabhichaari*) are spread all over the world. The practice of giving divorce that is prevalent in the other countries is related to the entire world.
Student: Why was the name of Bharatpita (Father of India) not taken along with the name of Bharatmata?
Baba: It was not taken for the reason that Bharat mata is ahead of him in purity. Jagatpita (Father of the world) is not ahead in purity. Two mothers are considered in the scriptures. One is Jagatmata and the other is Bharat mata. One is Jagadamba and the other is Parvati. Heaven is established through Parvati and the entire world is established through Jagadamba.

समयः 25.20-29.48

जिज्ञासुः बाबा जगतपिता तो ऐसा आत्मा है सारी श्रीमत से चलता है।

बाबाः उसका पार्ट निराला होगा इसलिए श्रीमत पे चल सकता है। शंकर का पार्ट ऐसा है जो तुम बच्चे भी समझ न सको। शंकर की समझ में आ गया होगा। बच्चों की समझ में नहीं आता है। क्योंकि जिसका काम उसी को साजे।

जिज्ञासुः मुरली में बोला है वो एक ही आत्मा है जो श्रीमत पे चलता है।

बाबाः जो श्रीमत से चलेगा वो ही तो विश्व पर बादशाही लेगा।

जिज्ञासुः वो भाई पूछना चाहते हैं कि प्योरिटी में कम क्यों? **बाबाः** कहाँ कम? ये तो तुम समझते हो। वो समझते हैं पवित्रता में कम। जिनकी बुद्धि में ये बात बैठी नहीं है कि पवित्रता क्या चीज़ होती है। महाकाली की पवित्रता को पवित्रता समझेंगे या अपवित्रता समझेंगे?

जिज्ञासुः तो भी पवित्रता....

Time: 25.20-29.48
Student: Baba, *Jagatpita* is such a soul who follows all the *shrimat*.
Baba: His part must be unique; this is why he can follow *shrimat*.
Shankar's part is such that even you children cannot understand it. Shankar must have understood it. Children are unable to understand it because every person is perfect in his own task[5] .
Student: It has been said in a Murli that he is the only soul who follows *shrimat* (completely).
Baba: Only the one who follows the *shrimat* will get the emperorship of the world.
Student: That brother wishes to ask why he is lower in purity.
Baba: How is he lower? You think so. They, in whose intellect it has not entered what purity is think that he is less in purity. Will you consider Mahakali's purity to be purity or impurity?
Student: Still purity…

बाबाः कैसे है पवित्र? महाकाली व्यभिचारिण बनती है कि नहीं कर्मेन्द्रियों से?

जिज्ञासुः वो बच्चों को सुधारने के लिए।

बाबाः बनती है या नहीं?

जिज्ञासुः बनती है।

बाबाः बनती है ना? लेकिन बुद्धि से?

जिज्ञासुः बुद्धि से वो बाप के साथ ही है।

बाबाः ऐसे ही ये जगतपिता की बात है। वो फिर भी जिस बाप के साथ है, जिस बाप में बुद्धि लगी हुई है वो साकार है। और जगतपिता की बुद्धि तो सिर्फ एक निराकार में ही लगी हुई है। उसका तो गायन ही सिर्फ एकलव्य का है।

जिज्ञासुः ...भारत माता जगतपिता से प्यूरिटी में आगे हैं बोला न बाबा?

बाबाः भारत माता प्योरिटी के मुकाबले में आगे रहती है।

Baba: How is she pure? Does Mahakali become adulterated through the organs of actions or not?
Student: It is in order to reform the children.
Baba: Does she become (adulterated) or not?
Student: She does become.
Baba: She becomes, doesn't she? But through the intellect?
Student: Through the intellect she is with the Father only.
Baba: Similar is the case with *Jagatpita*. The father with whom she is, the father in whom her (i.e. Mahakali's) intellect is associated is corporeal. And the intellect of *Jagatpita* is immersed only in the one incorporeal. The very praise for him is of Eklavya (the one who loves only One).
Student: ...You said that *Bharat Mata* is ahead of *Jagatpita* in purity, didn't you?
Baba: *Bharat mata* remains ahead in purity.

जिज्ञासुः अभी बताया ना बाबा ने?

बाबाः हां, हां। प्योरिटी हमेशा ही आगे रहेगी। इन सन्यासियों की जब तक आगे निकलने की बात नहीं होती है तब तक तुम बच्चों की भी विजय हो नहीं सकती। जब ये सन्यासी निकलेंगे तब तुम बच्चों की विजय हो जावेगी। तो ब्राह्मणों की दुनिया में पक्के सन्यासी कौन हैं?

[5] jiska kaam usi ko saaje

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

बाबाः गंगा और भारत माता। गंगा को तो फिर भी ए□वांस का ज्ञान मिला हुआ है। और भारत माता को तो ए□वांस का ज्ञान मिला ही हुआ नहीं है।

Student: Baba said this just now, didn't he?
Baba: Yes, yes. Purity will always remain ahead. Until these *sanyasis* go ahead, you children cannot gain victory either. When these *sanyasis* emerge, you children will gain victory. So, who are the firm *sanyasis* in the Brahmin world? (Student said something.) Ganga and *Bharat Mata*. Ganga has received the advance knowledge anyway. And *Bharat mata* has not received the advance knowledge at all.

जिज्ञासुः फिर भी बाबा से आगे कैसा जाएगी?

बाबाः प्योरिटी में। प्योरिटी में आगे ऐसे चले जाते हैं कि उनके जन्म-जन्मान्तर के संस्कार हैं पवित्र रहने के और राजाओं के संस्कार अपवित्रता के हैं।

जिज्ञासुः तो भारत माता तीनों ही है ना? जगदम्बा, लक्ष्मी और .....।

बाबाः जो सारे जगत की अम्बा है वो मुसलमानों की अम्बा है या नहीं है? और जो वैष्णवी है; वैष्णवपंथी मुसलमानों को अपने में कभी मिला के रखते हैं?

जिज्ञासुः फिर भी अब मुसलमानें के साथ ही है ना बाबा?

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः वैष्णवी देवी।

बाबाः जब तक ज्ञान नहीं है तब तक तो सारी दुनिया के साथ है। जब ज्ञान मिल जाएगा तो संग का रंग बदल जाएगा।

Student: Still how will she go ahead of Baba?
Baba: In purity. She goes ahead in purity because she has the *sanskars* of remaining pure for many births. And the kings have the *sanskar* of impurity.
Student: So, all three roles are played by *Bhaarat mata* only. Jagdamba, Lakshmi and…..
Baba: The one who is the mother of the entire world; is she the mother of the Muslims or not? And the one who is Vaishnavi; do the Vaishnavites ever allow the Muslims to mix up with them?
Student: Still, she is with the Muslims (in unlimited) now, isn't she?
Baba: Who?
Student: Vaishnavi Devi.
Baba: As long as she does not have (the advance) knowledge she is with the entire world. When she gets the knowledge, the colour of her company will change.

समयः 29.51-31.05

जिज्ञासुः बाबा, श्रेष्ठ और स्वच्छ आत्माओं पर विकार की धूल लगेगी। एक वाणी का प्वाइंट है, एक मुरली का प्वाइंट है ना? वो कैसे?

बाबाः जो सच्चा होता है और श्रेष्ठ होता है वो हीरा होता है। और हीरे के ऊपर कभी विकारों की धूल लगती है क्या?

जिज्ञासुः नहीं लगता है।

बाबाः ये आपने गलत प्वाइंट पकड़ लिया।

जिज्ञासुः मुरली का प्वाइंट सुना।

बाबाः वो मुरली लाओ मैदान में। अबकि बार ले आना। या तो आपने उसे गलत पकड़ लिया है, गलत समझ लिया है। हीरे के लिए तो गायन है अंधेरे में भी □ाल दो तो भी रोशनी देता रहता है। धूल में पड़ा हुआ हीरा है तो भी उसकी रोशनी चमकेगी।

Time: 29.51-31.05
Student: Baba, the elevated and pure souls will be covered with the dust of vices. This is the point of a *vani*, of a Murli, isn't it? How will that happen?
Baba: The one who is true and elevated is a diamond. And is a diamond ever covered by the dust of vices?
Student: It is not.
Baba: You have caught a wrong point.
Student: I heard this Murli point.
Baba: Bring that Murli into the field. Bring it next time. Either you have grasped it wrongly or you have understood it wrongly. It is famous about diamond that even if you put it in darkness it continues to glitter. Even if a diamond is lying in dust, it will shine.

समयः 32.45-33.04

जिज्ञासुः बाबा व्यापारी लोग मुरादी संभालते हैं माना क्या?

बाबाः व्यापारी लोग जो होते हैं उनके पास चौपड़ा होता है कितना बेचा कितना मुनाफा हुआ, कितना घाटा हुआ, सारा रात को लिखते हैं। उसको मुरादी संभालना कहते हैं।

Time: 32.45-33.04
Student: Baba, businessmen maintain *muraadi* (accounts). What does it mean?
Baba: Businessmen have an account book. They write everything in the night, how much they sold, what was their profit, what was their loss. That is called maintaining *muraadi* (accounts).

समयः 33.07-34.20

जिज्ञासुः बाबा, राजा दुर्गादास के बारे में...।

बाबाः हां।

जिज्ञासुः उसकी क्या विशेषता है?

बाबाः राजा दुर्गादत्त आदि सनातन देवी-देवता धर्म की वो आत्मा है जो व्यभिचार में कोई भी हालत में आसक्त नहीं होती। माया का कितना भी बड़ा पॉम्प एण्□ शो उसके सामने आ जाता है तो भी, मुसलमानों की रानियों को हाथ में आते हुए भी मुसलमानों के पास पहुँचा देता है। चरित्रवान राजा है।

Time: 33.07-34.20
Student: Baba, regarding king Durgadas...
Baba: Yes.
Student: What is his specialty?

Baba: King Durgadutt is that soul of the Ancient Deity religion which does not become engrossed in adultery under any circumstances. Maya may come in front of him with whatever pomp and show, even if the Muslim queens come in his hands, he sends them back to the Muslims (i.e. their husbands). He is a virtuous (*charitravaan*) king

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा ?

बाबाः दुर्गादत्त का मतलब क्या हुआ? दुर्गा कौन? और उसका दिया हुआ कौन? दुर्गा का बच्चा कौन?

जिज्ञासुः ब्रह्मा बाबा।

बाबाः हाँ। यज्ञ के आदि में जो माता है उसका बच्चा है दुर्गादत्त।

Student: Brahma Baba?
Baba: What is meant by Durgadutt? Who is Durga? And who is the one given (*diya hua*) by her? Who is Durga's child?
Student: Brahma Baba.
Baba: Yes. The child of the mother who was present in the beginning of the *yagya* is Durgadutt.

40.05 समयः 34.48-35.55

जिज्ञासुः बाबा, युद्ध के मैदान में मर गया तो अच्छा है.... । आज ब्राह्मण बच्चों के घर में □कैत आएगा क्या करना है?

दूसरा जिज्ञासुः युद्ध करते-करते मर गया तो अच्छा है। युद्ध करते करते मर जाने से स्वर्ग में जाएगा।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः ब्राह्मण बच्चों के घर में....

बाबाः लौकिक दुनिया में भक्ति मार्ग में ऐसे मानते हैं कि युद्ध करते-करते जो मरेगा वो स्वर्ग में जाएगा। वास्तव में इस दुनिया में तो स्वर्ग है ही नहीं। लेकिन ये संगमयुग की यादगार बात चली आ रही है कि संगमयुग में माया के युद्ध के मैदान के बीच में युद्ध करते-करते अगर कोई गुम भी हो जाए, फाँ भी हो जाए; जैसे राम वाली आत्मा यज्ञ के आदि में फाँ हो गई तो भी अगले जनम में कहाँ पहुँचेगी? स्वर्ग में ही जाके उसे जन्म मिलेगा।

Time: 34.48-35.55
Student: Baba, it is good if someone dies in the battlefield…. If a dacoit breaks into the house of brahmin children, what should they do?
Another student: It is good if someone dies while fighting a war. If someone dies while fighting he will go to heaven.
Baba: Yes.
Student: In the house of the brahmin children ….
Baba: It is believed in the path of *bhakti* in the *lokik* world that the one who dies while fighting (in a battlefield) will go to heaven. Actually, there isn't heaven in this world at all. But this memorial of the Confluence Age is being followed (in the path of *bhakti*) that in the Confluence Age, in the battlefield of the war with *Maya*, even if someone vanishes or runs away while

fighting ; just as the soul of Ram went away in the beginning of the *yagya*, where will he reach in the next birth? He will receive birth only in heaven.

समयः 35.56-36.59

जिज्ञासुः बाबा, महाकाली अपनी लाज बचाने के लिए बाप के सहयोगी भुजाओं को काट कर वस्त्र बना लेती है।

बाबाः अपना सहयोगी बना लिया।

जिज्ञासुः हाँ। तो वो ऐसा कौनसा बुरा कर्म करती है, महाकाली? बाप की ग्लानि ?

बाबाः लज्जा वाले अंग कौनसे होते हैं? और उन अंगों से क्या काम होता है?

जिज्ञासुः बेहद में वो...?

बाबाः वो ही हद और बेहद की बात है। जगदम्बा सब मनोकामनाओं की पूर्ती करती है। उन सब मनोकामनाओं में ये भी मनोकामना आ जाती है या नहीं आ जाती है? और लक्ष्मी? लक्ष्मी भुजाएं काट के अपनी लज्जा का आवरण क ले। ये कामना पूरी करने वाली नहीं है।

Time: 35.56-36.59
Student: Baba, in order to save her honor Mahakali cuts the helper arms of the Father and uses them as her clothes.
Baba: She made them her helpers.
Student: Yes. So, which bad action does Mahakali perform? Defamation of the Father?
Baba: What are the organs of shame (*lajja vaaley ang*)? And what actions are performed through those organs?
Student: In an unlimited sense....
Baba: The same limited and unlimited topic. Jagdamba fulfils all the desires. Is this desire included in those desires or not? And Lakshmi? Does Lakshmi cut the arms and cover her shame? She does not fulfill this desire.

समयः 37.02-39.12

जिज्ञासुः बाबा, वसुदेव और देवकी अभी भी विकारों की जेल में पड़े हुए हैं। ये दोनों कौन हैं? उनका पात्र क्या था?

बाबाः एवांस के आदि में; जब एवांस की शुरुआत हुई, उस समय से लेकर के और अब तक भी विकारों की जेल में कौन पड़े हुए हैं जिन्होंने संगमयुगी कृष्ण की प्रत्यक्षता की? (किसीने कहा- वसुदेव-देवकी।) नहीं, ये ज्ञान में पूछ रहे हैं कि ज्ञान में वो आत्माएं कौन हैं जिन्होंने पीपल के पत्ते पर आए हुए कृष्ण को प्रत्यक्षता रूपी जन्म दिया? सन ८६-८७, ८८, ८९ में वो कौनसी आत्माएं थी जिन्होंने संगमयुगी कृष्ण को प्रत्यक्ष कर दिया?

Time: 37.02-39.12
Student: Baba, Vasudev and Devaki are still lying in the jail of vices. Who are both of them? What was their role?
Baba: In the beginning of the Advance (party); when the Advance (party) began, who are lying in the jail of vices from that time and even till the present time, those who revealed the Confluence Age Krishna? (Someone said: Vasudev – Devki.) No. This question is being asked in terms of knowledge who those souls in knowledge are who gave a revelation like birth to the

Krishna who came on a *Pipal* leaf[6]? Who were the souls in the year 1986-87, 88, 89 who revealed the Confluence Age Krishna?

किसीने कहा: वही दो आत्माएं।

बाबाः कौन-कौन दो आत्माएं? (किसीने कहा- इस्लाम और....) ना। इस्लाम धर्म की बीजरूप आत्माएं। इस्लाम और मुस्लिम धर्म की बीजरूप आत्माएं। वो ही प्रत्यक्षता रूपी जन्म देती हैं। सागर में पीपल के पत्ते पर कृष्ण आया। उसको लाने वाला कौन? पीपल के पत्ते पर कृष्ण रूपी महान आत्मा को प्रत्यक्षता रूपी जन्म देने के निमित्त कौन बना ८६, ८७ में? अरे दक्षिण भारत से विदेशियों के द्वारा प्रत्यक्षता होती है? निमित्त कौन बना?

जिज्ञासुः इस्लाम धर्म।

बाबाः इस्लाम धर्म की बीज रूप आत्माएं।

Someone said: The same two souls.
Baba: Which two souls?
Someone said: Islam and …..
Baba: No. The seed form souls of the Islam religion. The seed form souls of the Islam and Muslim religion. They themselves give him a revelation like birth. Krishna came on a *Pipal* leaf in the ocean. Who is the one who brings him? Who became instruments in giving a revelation like birth to the great soul like Krishna on a *Pipal* leaf in 1986, 87? Arey, does revelation take place through the foreigners in South India? Who became the instruments?
Student: The Islam religion.
Baba: The seed form souls of the Islam religion.

समयः 39.15-40.25

जिज्ञासुः बाबा, ये भाई का सवाल ऐसा था, जैसे युद्ध में लड़ते-लड़ते कोई मरे तो स्वर्ग में जन्म लेता है।

बाबाः स्थूल युद्ध की बात नहीं है।

जिज्ञासुः तो ब्राह्मणों के घर में अगर कोई □कैत आ गये तो अहिंसक युद्ध करना चाहिए या अहिंसक युद्ध?

बाबाः अगर □कैत आ जाते हैं तो वो □कैत तो किसी को मौत के घाट भी उतार सकते हैं। वो तो हिंसक हथियार लेकरके आते हैं। तो अगर अपने पास असला है तो मुकाबला करने में कोई हर्जा नहीं है। अगर नहीं है तो मुकाबला करने से भी कोई फायदा नहीं है। बाबा को याद करो। बौद्धियों मिसल कायर नहीं बनना है कि हमारे बीबी, बाल-बच्चों को सत्यानाश करते रहें और हम आँखों से देखते रहें।

Time: 39.15-40.25
Student: Baba, the question that this brother wanted to ask was that just as if someone dies while fighting in a war, he is born in heaven….
Baba: It is not about a physical war.

[6] The leaf of the holy fig tree

Student: Yes. If a dacoit (burglar) comes in the house of Brahmins, then should he fight a violent war or a non-violent war?
Baba: If dacoits come, they can even kill someone. They come with weapons of violence. So, if you have any arms, there is nothing wrong in confronting them. If you don't have (any), there is no use of confronting them either. Remember Baba. You should not become cowards like the Buddhists that even if someone is causing harm to our wife and children; we continue to watch (silently) through our eyes.

समयः 40.26-40.55

जिज्ञासुः बाबा, एक व्यक्ति सदाकाल के लिए निगेटिव थॉट्स में रहता है। कितना भी समझाओ पॉज़िटिव में नहीं आता है। उसका क्या परिणाम होगा?

बाबाः ६३ जन्मों में बहुत पाप कर्म किये हैं। तो इस आखरी जन्म में उन पाप कर्मों की निगेटिव रील घूमती रहती है। कोई कितना भी करे, वो पाप कर्मों की निगेटिव रील बंद ही नहीं होती।

Time: 40.26-40.55
Student: Baba, a person keeps having negative thoughts all the time. No matter how much you explain, he does not think positive. What will be its result?
Baba: If someone has performed a lot of sinful actions in the 63 births, the negative reel of those sinful actions keep rotating in this last birth. However much someone may try, the negative reel of those sinful actions does not stop rotating at all.

समयः 40.57-46.20

जिज्ञासुः बाबा, १६१०८ को राजपरिवार कहा है ना, उसमें दास-दासी.... नौकर-चाकर ....।

बाबाः १०८ में?

जिज्ञासुः १६१०८ में।

बाबाः १६१०८ है उन लोगों की संख्या जो बाप के कार्य में सरेन्□र हो करके कार्य करते हैं। समर्पित हो जाते हैं। समर्पित होने के बाद संसार को तो दिखा दिया हम समर्पित हो गए लेकिन फिर भी अगर मनमानी चाल चलते हैं, श्रीमत के अनुकूल नहीं चलते हैं तो फिर दास-दासी बन पड़ते हैं।

Time: 40.57-46.20
Student: Baba, the [rosary of] 16,108 is said to be those in the royal family, isn't it? Among them servants and maids… slaves…
Baba: In [the rosary of] 108?
Student: In 16,108.
Baba: 16,108 is the number of those people who surrender themselves for the Father's task and work. They surrender themselves. By surrendering (to Baba) they showed to the world that they have surrendered. However, if they act as per their wish, if they do not act according to *shrimat,* they become servants and maids.

जिज्ञासुः फिर भी राजा के घर में आता है ना?

बाबाः अब जितना जास्ती; एक बार सरेण□र तो हुए। फिर कितना भी विकर्म करेंगे तो भी त्रेता के आखरी जन्म में जा करके एक बार जन्म लेकरके उनको प्रिंस तो बनना ही बनना है। उससे पहले दास-दासी बनते रहेंगे हर जनम में।

जिज्ञासुः .....नौकर चाकर रहते हैं ना, वो लोग बाहर काम करके चले जाते हैं। वो राजपरिवार में कैसे रहते है?

बाबाः आखरी जन्म में रहते हैं। मान लो किसी ने सरेण□र होने के बाद बहुत अवज्ञा की, बहुत दूसरों को दुःख दिया तो अन्तिम जन्म में जाकरके, त्रेता के अन्तिम जन्म में उनको सिर्फ मानी मोचा मिल जावेगा। थोड़ा सा मान मिल जायेगा कि राज परिवार में जाके प्रिंस या प्रिंसेस के रूप में जन्म मिल जाएगा। आखरी बच्चा बन जाएगा राजपरिवार का। उसके बाद विनाश हो जाएगा। उससे पहले के जन्मों में लगातार दास-दासी बनकरके भरी □ोती रहो।

Student: However they are born in a royal family, aren't they?

Baba: Well, the more…; they did surrender themselves once. Then, however much sinful actions they do, still they have to be born as a Prince once in the last births of the Silver Age for sure. Before that they will continue to become servants and maids in every birth.

Student: …… There are servants, aren't they? They work (at the palace) and go out. Then how are they included in the royal family?

Baba: They live (in a royal family) in the last birth. Suppose someone disobeyed a lot, gave a lot of sorrow to others after surrendering, they will get only a little respect in the last birth of the Silver Age. They will get a little respect in a sense that they will be born in the form of a prince or a princess in the royal family. They will become the last child of a royal family. After that destruction will take place. In the births prior to that they will continuously carry the burden in the form of servants and maids.

जिज्ञासुः फिर वो लोग पक्का सूर्यवंशी हैं?

बाबाः १६००० की लिस्ट जो है वो सूर्यवंशी नहीं कही जाती है सारी। वो तो और-और धर्मों से प्रभावित होने वाली आत्माएं भी उसमें घुसी हुई हैं। यथा राजा तथा प्रजा होती है। उन १६००० में तो सारी दुनिया भरी हुई है। जैसे १०८ बीजों के अन्दर सारी दुनिया भरी हुई है। जैसे ८ के अन्दर सारी दुनिया भरी हुई है। सारी दुनिया का छोटा रूप देखना हो तो १६१०८ में देख लो। बड़े से बड़े पापात्मा देखना हो तो १६१०८ में देख लो। बड़े से बड़े पुण्यात्मा देखना हो तो १६१०८ में देख लो। फिर उससे भी छोटी दुनिया देखनी हो तो १०८ की देख लो। उन १०८ में अच्छे से अच्छे पुण्यात्मा और बड़े से बड़े पापात्मा भरे पड़े हैं। ऐसे ही आठ की लिस्ट में भी, ९ की लिस्ट में । नौ की लिस्ट में जो नौवां है बड़े से बड़ा पापात्मा।

जिज्ञासुः नौवां नष्ट देव में आ जाता है ना?

बाबाः नष्ट देव में आ जाता है।

Student: Then are those people firm *Suryavanshis* (those who belong to the Sun dynasty)?

Baba: The list of 16000 is not said to be of *Suryavanshis* entirely. It includes the souls who are influenced by other religions too. As is the king so are the subjects. The entire world is included

among those 16000, just as the entire world is included among the 108 seeds, just as the entire world is included among the 8 (beads); if you wish to see a small form of the entire world you can see it in [the rosary of] 16108. If you wish to see the most sinful souls you can see them in [the rosary of] 16108 and if you wish to see the noblest soul you can see them in [the rosary of] 16108. Then, if you wish to see a smaller world than that you can see the world of 108. There are the best, noble souls as well as the most sinful souls among those 108. Similar is the case with the list of eight, the list of nine (beads). In the list of the nine (beads), the ninth one is the most sinful soul.
Student: The ninth one is counted among *nashtdev* (the destructive deity), isn't he?
Baba: He is counted among the *nashtdev*.

जिज्ञासुः घर में रहके भी वो तन, मन, धन पूरा समर्पण होता है । फिर भी थोड़ा हिसाब किताब चुक्तु करने के लिए ......
दूसरा जिज्ञासुः घर में रहते हुए भी सारा तन, मन, धन समर्पण करते हैं। .... हिसाब किताब चुक्तु करने लौकिक संबंधियों से कुछ हुआ, तो कैसा?
बाबाः घर परिवार में रहेंगे तो घर परिवार के लौकिक संबंधियों से भी तोड़ निभानी पड़ेगी कि नहीं निभानी पड़ेगी? (सभी- निभानी पड़ेगी।) और जो सरेन्डर हो गए वो तो अन्दर आ गये। उनका तो लौकिक दुनिया खतम हो गई। इसलिए बोला है कि अन्दरवालों से बाहरवाले साहूकार बन सकते हैं। साहूकार में अच्छा जीवन बिता सकते हैं। बाहर रहने वाले साहूकार बन सकते हैं। लेकिन राजा रानी नहीं बनेंगे।
जिज्ञासुः बाबा वो भी १६००० लिस्ट में आयेंगे?
बाबाः कौन?
जिज्ञासुः बाहर रहने वाला जो साहूकार बनते है वो।
बाबाः लास्ट में ऐसा होगा कि वो पूरे सरेण्डर हो जायेंगे। अन्दर वाले रह जावेंगे और बाहर वाले ले जावेंगे।

Student: Despite living at home, someone has surrendered completely through body, mind and wealth. He is staying there (in *lokik* family) to clear the karmic debts…..
Another Student: Some surrender everything including the body, mind and wealth even while living at home. …..Yet, in order to clear the karmic accounts with the *lokik* relatives…what is it considered?
Baba: If you live at home in a family, will you have to maintain a relationship with the *lokik* relatives or not? (Students: You will have to maintain it.) And those who have surrendered themselves have come inside. Their *lokik* world has ended. This is why it has been said that the outsiders can become prosperous people (*saahookaar*) when compared to the insiders. They can spend a good life as prosperous people. The outsiders can become prosperous. But they will not become kings and queens.
Student: Baba, will they also come in the list of 16000?
Baba: Who?
Student: The outsiders who become prosperous.
Baba: In the end they will surrender completely. The insiders will remain as they are and the outsiders will take away [the inheritance].

समयः 46.35-46.47

जिज्ञासुः अकेला क्लास करे तो गीता पाठशाला हो सकती है क्या? इनका युगल नहीं है ना इसलिए पूछ रहे हैं।

बाबाः हाँ। क्यों नहीं हो सकती है? मेच्योर्ड (matured) माता है तो गीता पाठशाला चला सकती है।

Time: 46.35-46.47
Student: If a single person (a widow mother) organizes the class, will it be counted as a *gitapathshala*? She is asking this because her husband is not alive.
Baba: Yes, why not? If the mother is matured she can run a *gitapathshala*.

समयः 46.50-48.20

जिज्ञासुः बाबा, संगमयुगी कृष्ण को प्रत्यक्ष करने वाले जब तक राजा बलि का पार्ट न बजाए तब तक कृष्ण की प्रत्यक्षता नहीं हो सकती। तो ये किसके बारें में बोला?

बाबाः राजा बलि का मतलब है सब कुछ अर्पण कर देना।

जिज्ञासुः माना जो ७६ में आया इस्लाम धर्म के बीज उन लोगों के लिए ये कहा।

बाबाः ठीक है।

Time: 46.50-48.20
Student: Baba, Krishna cannot be revealed until the ones who reveal the Confluence Age Krishna play the part of king Bali. So, whom was this said about?
Baba: King Bali means dedicating everything.
Student: It means that the ones who came in 1976, the seeds of Islam; is it said for them?
Baba: It is correct.

जिज्ञासुः बाबा भाईयों को तो समर्पण नहीं करते हैं ना?

बाबाः भाईयों को समर्पण होने की दरकार है? उनको संरक्षण लेने की दरकार है? कन्याओं-माताओं को तो आज की कलियुगी दुनिया में इसलिए दरकार है क्योंकि बाहर की दुनिया में उनकी कहीं सुरक्षा है ही नहीं। इसलिए उनको संरक्षण चाहिए। भाईयों को क्या दरकार है? चौराहे पर बैठ करके वो पुरुषार्थ नहीं कर सकते?

जिज्ञासुः कर सकते हैं।

बाबाः कर सकते हैं।

जिज्ञासुः फिर वो कैसा राजा बलि का पार्ट बजाएगा?

बाबाः कौन?

जिज्ञासुः भाई लोग।

बाबाः जो अपने पैरों खड़ा रहे वही राजा बलि है। किसी के आधीन न होना पड़े।

जिज्ञासुः फिर बाबा एक तरफ ये भी बोलते हैं ना जो पूरा बेगर होगा वही प्रिंस बनेगा।

बाबाः ठीक है ईश्वरीय सेवा में अपना तन-मन-धन; मिटा दे अपनी हस्ती को अगर कुछ मर्तबा चाहे।

Student: Baba, the brothers are not allowed to surrender themselves, are they?
Baba: Is there a need for the brothers to surrender? Is there any need for them to receive protection? Virgins and mothers need (protection) in today's Iron Age world because there is no safety for them anywhere in the outside world at all. This is why they need protection. Why do the brothers need it? Can't they make *purusharth* while sitting on crossroads? Hm?
Student: They can.
Baba: They can.
Student: Then how will they play the part of king Bali?
Baba: Who?
Student: The brothers.
Baba: The one who stands on his feet (self-dependant) himself is king Bali. He should not remain anybody's subordinate.
Student: On the other hand Baba also says that only the one who is a complete beggar, will become a prince.
Baba: It is correct; [Sacrifice your] body, mind [and] wealth in godly service; sacrifice your worth (*hasti*) if you want a position.
……
Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.